Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | अप्रैल 2024 | वर्ष : 19 | अंक : 05 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

ओम फर्न इंडिया लि. को चाहिए कारपेंटर .... पेज - 2

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

37 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

Padlocks
Mortise Handle
Butt Hinges
Cabinet Hinges
Screws
Aldrops
PTMT Taps
Shower
Toilet Seat Cover
Airfreshner
Flush Cistern

Best Quality

GLORIOUS RANGE OF PREMIUM HARDWARE & BATH FITTINGS PRODUCTS

The Ultimate Door Hardware Collection

PROUDLY MADE IN INDIA

Manufacturer & Exporters of Hinges | Screws | Door Hardware | Locks | PTMT BATH FITTINGS

Padlocks | Butt Hinges | Aldrops | Screws | Door And Window Fittings | Cabinet Hinges | Door Closers | Mortise Handles | MPL Locks | Shutter Locks
Godown Locks | Main Door Locks | PTMT Taps | Toilet Seat Covers | ISI Flushing Cisterns, Mirror Cabinets | Bathroom Fittings | PTMT Accessories Etc.

www.suzusteel.com | www.suzu.in | Follow us on : +91-9811242777, +91-9911118272

सैफ अली खान E3 के ब्रांड एंबेसडर बने

नई दिल्ली। इंटीरियर व एक्सटीरियर उत्पादों की अग्रणी कंपनी E3 ग्रुप ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। E3 ग्रुप एक विस्तृत नेटवर्क के साथ भारत में इंटीरियर व एक्सटीरियर उत्पादों के शीर्ष निर्माता हैं।

समूह की कंपनियां पीवीसी एज बैंड, यूवी पैनल, कृत्रिम घास, क्लैड सीमलेस पैनल, एसीपी, एचपीएल, लैमिनेट्स आदि का उत्पादन कर रही है। E3 से जुड़ने के बाद सैफ अली खान ने कहा कि E3 के सभी उत्पाद गुणवत्ता के आधार पर खरे हैं, जिससे जुड़ने पर हमें गर्व की अनुभूति हो रही है। वही E3 समूह का मानना है कि हमारा मकसद सिर्फ अपने ब्रांड के लिए एक अंकित मूल्य बनाना नहीं है, बल्कि हमारे बढ़ते समुदाय का हिस्सा बनने के लिए दुनिया के सभी हिस्सों से लोगों को शामिल करना है। इस मिशन को शुरू करने के लिए ब्रांड एंबेसडर सैफ अली खान बेहतर सिद्ध होंगे। सैफ अली खान ने कई सफल फिल्में की हैं, जिसके लिए उन्हें पुरस्कृत किया जा चुका है। वह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार के प्राप्तकर्ता भी हैं। 2010 में उन्हें देश के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मश्री से भी सम्मानित किया जा चुका है।

ओम फर्न इंडिया लि. को चाहिए कारपेंटर, रहने की व्यवस्था फ्री

मुंबई। इंडियन फर्नीचर इंडस्ट्रीज की प्रतिष्ठित मॉडुलर कंपनी ओम फर्न इंडिया लि. को भारी संख्या में कुशल मेहनती कारीगर कारपेंटर व हेल्पर की आवश्यकता है। उमरगांव जिला वलसाड (गुजरात) स्थित ओम फर्न इंडिया लि. कंपनी में तरह तरह के फर्नीचर तैयार करके सप्लाई किये जाते हैं। जहां पर कई तरह के सेक्सन है, 1) आफिस, किचन, बेडरूम, होटल, स्कूल आदि। 2) फिनीस लकड़ी डोर फ्रेम एवं शटर, लेमिनेट, विनियर, फायरप्रूफ डोर आदि। 3) मेटल फायरप्रूफ डोर फ्रेम एवं सटर आदि। इस कंपनी का मुख्यालय मुंबई में कांदिवली (पूर्व) में है।

कारपेंटर व हेल्पर को प्रतिदिन 8 घंटे एवं ओवरटाइम 4 घंटे अलग से दिये जाते हैं और साप्ताहिक अवकाश भी मिलेगा। काम का समय सुबह 9 बजे से शाम 8.30 तक होगी। रहने की व्यवस्था निः शुल्क होगी। कंपनी में चाय पानी निःशुल्क होगी। 12 महीने के बाद-पीएफ, ग्रेजुटी, मेडिकल सुविधा कंपनी के रूल के हिसाब से दिया जायेगा। सेलरी-1) फ्रेसर-8 घंटे, 450 रुपए। 2) सेमी स्किल्ड -8 घंटे, 500 रुपए। स्किल्ड-8 घंटे 550 रुपये से 600 रुपये तक। इच्छुक व्यक्ति नीचे दिये गये नंबर पर तुरंत संपर्क करे। फैक्टरी मैनेजर रमाशंकर विश्वकर्मा मोबाईल 9580754270 व सुभाषचंद्र विश्वकर्मा -9167451358, नोट-80 परसेंट वर्क मशीन के द्वारा होता है।

जनचेतना शिविर का आयोजन

जम्मू। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लाट जम्मू की एक टीम बलवंत कटारिया की अगुवाई में गांव मढ़ द्राबी पहुंचकर जन चेतना शिविर लगाया। इस शिविर में विश्वकर्मा भगवान के कलैंडर, विश्वकर्मा रिपोर्टर मैगजीन और गरीब बच्चों को कॉपियां बांटी गई। शिविर में शामिल लोगों को बताया गया कि अपने बच्चों को शिक्षा जरूर दें क्योंकि गरीबी से बाहर निकलने के लिए पढ़ाई के अलावा कोई रास्ता नहीं है। इस अवसर पर तरुण वर्मा और निहारिका वर्मा को अपनी कक्षा में टॉप करने के लिए ट्राफियां भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

मीटिंग में सामाजिक, राजनीति और ओबीसी आरक्षण विषयों पर भी चर्चा हुई। शिविर में गिरधारी लाल (पंच), संतोख चंद, प्रीतम दास, बोध राज, संजीव कुमार, मास्टर योगेश वर्मा, मास्टर नरेश कुमार वर्मा, ध्रुव वर्मा, नकुल वर्मा आदि शामिल रहे। टीम में शामिल जोगिंदर अंगोत्रा और ओम कटारिया ने कहा कि श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी, जम्मू प्रांत के कोने कोने में बच्चों की शिक्षा व जन चेतना के लिए इस तरह के सैकड़ों कैंप लगा चुकी है जिसके अच्छे नतीजे भी आ रहे हैं।

PRABAL
Ab Nirmaan Hua Aasaan

Link

"भरोसा ही पहचान है
नयी दिशा पहला कदम"

लिंक के निर्माताओं की ओर से प्रस्तुत प्रबल,
हर काम के भरोसे की नई परिभाषा...

अधिक जानकारी और
आकर्षक ऑफर के लिए संपर्क करें

1800-547-4559

www.linklocks.com support@linklocks.com

amazon meesho blinkit moglix

लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान जरूर करें - स्वामी हरि चैतन्य पुरी

मुंबई। श्री हरिकृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने तिलक नगर में अपने दिव्य प्रवचन में मतदान के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से कहा कि मतदान करना हम सभी का अधिकार व पुनीत कर्तव्य है। हम सभी को अपने इस अधिकार व कर्तव्य का पालन अवश्य करना चाहिए। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश हमारे प्यारे भारतवर्ष में मतदान दिवस हमारे इस महान लोकतंत्र का एक महापर्व है। राष्ट्र निर्माण व अपने अपने क्षेत्र के चहुंमुखी विकास व समस्याओं के निराकरण के लिए हम सभी मतदान करके एक सुयोग्य उम्मीदवार को चुनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। सभी को मतदान जरूर अवश्य करना चाहिए। यहां तक कि शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मतदान किसी भी लालच, भय या दबाव या संकीर्णताओं के दायरे में फंसकर नहीं करना चाहिए। गौरवशाली इतिहास रखने वाले हमारे प्यारे देश का निरंतर विकास हो। राष्ट्र निर्माण व भारत को विश्व की महान शक्ति बनाने की ओर हमारा भी महत्वपूर्ण योगदान हो। हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि हर प्रकार की संकीर्णताओं व मतभेदों को त्याग कर आपसी प्रेम, एकता व सदभाव बनाए रखें। अशांत व्यक्ति को कहीं सुख नहीं मिल सकता। शांति को जीवन में प्रमुखता से स्थान देते हुए परिवार, नगर, राष्ट्र व समाज में शांति का साम्राज्य स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

अपने जीवन को राष्ट्रीयता, मानवता, प्रेम भक्ति व परोपकार से परिपूर्ण बनाएं। अंधविश्वास, कुरीतियों और बुराइयों जैसे विकारों से रहित अपना जीवन बनाएं। पाश्चात्य सभ्यता का अंधानुकरण त्याग कर देश की अमूल्य व महान संस्कृति के महत्व को समझकर अपने जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि अगर धर्म जीवन का अभिन्न अंग बन जाए और धर्म हर क्रियाकलाप में उतर जाए तो समाज में व्याप्त कुरीतियां, बुराइयां व विकृतियां हमारे जीवन में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। मानवता, नैतिकता, चरित्र का निरंतर ह्रास हो रहा है जो चिंता का विषय है इन सबसे केवल अध्यात्म ही हमें उबार सकता है। धर्म जोड़ता है तोड़ता नहीं, लेकिन आज धर्म के नाम पर ही लोग समाज को बांटने व तोड़ने की घृणित साजिशें करते हैं और लोग टूटते और बंट जाते हैं। मत, पंथ, संप्रदाय विभिन्न हो सकते हैं लेकिन धर्म एक ही है। परमात्मा के नाम उपासना पद्धतियां उसको जानने व पाने के मार्ग अलग हो सकते हैं लेकिन परमात्मा एक ही हैं और हम सब उसी की संतानें हैं। स्वामी हरि चैतन्य पुरी ने कहा कि अपनी गलतियों, दोषो, विकारो, व्यसनों व बुराइयों को कभी छोटा नहीं समझें। छोटी-छोटी कमियां ही एक दिन बहुत बड़ी कमी बन जाती है। जो हमारे जीवन को पतन के कगार पर पहुंचा देती है। धर्म, गुरु या किसी संत से अथवा परमात्मा से यदि आप जुड़े हैं तो आपका और भी अधिक उत्तरदायित्व हो जाता है कि आपके आचरण, स्वभाव, खानपान, वाणी, संगति आदि और भी श्रेष्ठ हो।

सेहत

कलमी साग : पौष्टिक तत्वों का खजाना

कलमी शाक या वाटर स्पिनेच हरी पत्तेदार सब्जियों में पौष्टिक साग है। कलमी साग को नारी, नाली, करेमू, करमी, नली भाजी भी कहा जाता है। कलमी साग एक अर्ध-जलीय बारहमासी पौधा है, जो मुख्य रूप से जल निकायों, खाई आदि के आसपास नमी युक्त मिट्टी के आसपास तेजी से बढ़ता है। ढेरों औषधीय गुणों से भरपूर कलमी साग कब्ज, बवासीर, डायबिटीज में फायदेमंद है। कलमी शाक एक कम कैलोरी वाली सब्जी है, जो विटामिन ए, बी, सी आदि एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर होता है।

इसकी पत्तियां हरे रंग की होती हैं और 1 से 5 इंच लंबी और 1-2 इंच चौड़ी होती है। शीर्ष नुकीला सा होता है। वाटर स्पिनेच का स्वाद नटी होता है। मानसून और गर्मी में यह बाजार में उपलब्ध होता है। इस साग में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है। 100 ग्राम साग में लगभग 20 कैलोरी होती है। इसमें कई तरह के माइक्रोन्यूट्रिएंट्स जैसे विटामिन ए, बी, सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। कलमी साग का सेवन डायबिटीज में किया जा सकता है। इसमें मौजूद कुछ तत्व डायबिटीज मैनेज करते हैं। शुगर लेवल को कंट्रोल में रख सकते हैं। डायबिटीज अधिक है तो कलमी शाक या वॉटर स्पिनेच के सेवन से पहले डॉक्टर की राय जरूर ले लें। इसमें फाइबर होता है, इसलिए ये पेट की सेहत को दुरुस्त रखता है। पाचन तंत्र सही रहता है। कब्ज की समस्या से बचाव होता है। कलमी शाक पाइल्स या बवासीर, लिवर मालफंक्शन, हेवी मेटल पॉइजनिंग के इलाज में भी खाना फायदेमंद होता है। कलमी साग को सलाद, दाल, सूप, स्टर फ्राई, सब्जी, नॉनवेज आदि में डालकर सेवन किया जा सकता है। इस साग में विटामिन सी होता है, जो एक एंटीऑक्सीडेंट है। विटामिन सी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बूस्ट करता है। कलमी साग के सेवन से शरीर में आयरन की कमी नहीं होती है, क्योंकि इसमें आयरन भी काफी होता है। यह शरीर, त्वचा और मस्तिष्क को ऊर्जा प्रदान करता है। मैग्नीशियम होने के कारण यह रक्तचाप को नॉर्मल बनाए रखने में कारगर है।

जायका इंडिया का

सेव टमाटर की सब्जी

सेव की सब्जी एक पारंपरिक व्यंजन है, जो अपने स्वाद और पोषण के कारण ज्यादातर जगहों पर प्रसिद्ध है। इसमें मुख्य रूप से सेव और टमाटर को मसालों के साथ भूनकर बनाया जाता है। सेव टमाटर की सब्जी का स्वाद बढ़ाने के लिए इसको घी में तड़का लगाकर बनाया जाता है और इसे बारीक कटी हरी धनिया से सजाकर परोसा जाता है। सेव की सब्जी को रोटी, चावल या पराठे के साथ खाया जा सकता है।

सामग्री - 1/2 कप बेसन सेव, 2 बड़े चम्मच घी या तेल,1/2 चम्मच राई,1 चम्मच जीरा,1/4 चम्मच हींग, 2 मध्यम आकार के बारीक कटे प्याज, बारीक कटी हुई 2-3 हरी मिर्च, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट,1/2 चम्मच हल्दी पाउडर,1 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर,1 चम्मच धनिया पाउडर,1/2 चम्मच गरम मसाला,1/4 कप हरा धनिया, बारीक कटा हुआ, नमक स्वादानुसार, 4-5 टमाटर बारीक कटे हुए या 1 कप टमाटर प्युरी

विधि - एक कढ़ाई में घी गरम करें और उसमें राई, जीरा और हींग डालें। जब जीरा चटकने लगे तो प्याज और हरी मिर्च डालें। प्याज को सुनहरा होने तक भूनें फिर अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और 1 मिनट तक भूनें। हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और गरम मसाला डालें फिर 1 मिनट तक भूनें। टमाटर और नमक डालें। टमाटर के नरम होने तक भूनें। पानी में हल्का भिगोकर और निचोड़कर सेव को डालें। 5-10 मिनट तक धीमी आंच पर सब्जी को पकाएं। हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गरमागरम रोटी, चावल या पराठे के साथ परोसें।

पहली बार आईवीएफसे गंगातीरी बछियों का जन्म

वाराणसी। शहंशाहपुर स्थित फार्म हाउस से गंगा किनारे के गांवों के लिए अच्छी खबर है। यह केंद्र भ्रूण स्थानांतरण तकनीक (ईटीटी) और इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) का उपयोग करके उच्च योग्यता वाली गंगातीरी गायों का प्रजनन वाला देश का पहला केंद्र बना है। यहां ईटीटी और आईवीएफ से दो गंगातीरी बछिया पैदा हुई हैं।

गंगातीरी नस्ल मुख्य तौर पर पूर्वी यूपी और बिहार में पाई जाती है। गंगा किनारे इसका प्राकृतिक आवास होने से इसका नाम गंगातीरी पड़ा है। वाराणसी शहर से दूर आराजी लाइन ब्लॉक के शहंशाहपुर स्थित फार्म हाउस में गंगातीरी के संवर्धन व संरक्षण का काम तेजी से शुरू हुआ तो इस प्रजाति का सीमेन बैंक बनाने के बाद अब टेस्ट ट्यूब बछिया की शुरुआत हुई है।

पहली बार आईवीएफ तकनीक से गंगातीरी की बेहतर नस्ल और अधिक दूध देने वाली बछिया पैदा करने की प्रक्रिया में भ्रूण लैब में तैयार कर 14 गायों पर सरोगेसी का इस्तेमाल किया गया। इसमें दो गर्भधारण सफल रहे और बछियों का जन्म हुआ है। राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र (आराजी लाइन) में टेस्ट ट्यूब केंद्र प्रभारी डॉ. गौरव तिवारी ने बताया कि ईटीटी और आईवीएफ का उपयोग अन्य नस्लों की गायों के प्रसार के लिए किया गया है, लेकिन गंगातीरी नस्ल की गायों के लिए यह शुरुआत है।

सरहुल : साल वृक्ष की पूजा का पर्व

सरहुल आदिवासियों का प्रमुख पर्व है, जो झारखंड, उड़ीसा और बंगाल के आदिवासी द्वारा मनाया जाता है। यह उत्सव चैत्र महीने के तीसरे दिन चैत्र शुक्ल तृतीया को मनाया जाता है। इसमें वृक्षों की पूजा की जाती है। यह पर्व नये साल की शुरूआत का भी प्रतीक माना जाता है।

उरांव सरना समाज में इस त्योहार को 'खद्दी' या 'खेखेल बेंजा' के नाम से भी जाना जाता है। उरांव सरना समाज में किसी भी सरहुल की तिथि पूरे गांव को हकवा लगाकर बताई जाती है। वैसे सरहुल इस समाज में एक ही दिन नहीं मनाया जाता। विभिन्न गांवों में इसे अलग-अलग दिन मनाने की प्रथा है। सरहुल पर्व के दौरान आदिवासी समुदाय की महिलाएं खूब नृत्य करती है। दरअसल आदिवासियों की मान्यता है कि जो नाचेगा वही बचेगा। आदिवासियों में माना जाता है कि नृत्य ही संस्कृति है। यह पर्व झारखंड में विभिन्न स्थानों पर नृत्य उत्सव के रूप में मनाया जाता है। महिलाएं सफेद और लाल पैड की साड़ी पहनती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सफेद शुद्धता और शालीनता का प्रतीक है, वहीं लाल रंग संघर्ष का प्रतीक है। सफेद सर्वोच्च देवता सिंगबोंगा और लाल बुरु बोंगा का प्रतीक है। इसलिए सरना का झंडा भी लाल और सफेद होता है। सरहुल पर्व को झारखंड की विभिन्न जनजातियां अलग-अलग नाम से मनाती हैं। उरांव जनजाति इसे 'खुदी पर्व', संथाल लोग 'बाहा पर्व', मुंडा समुदाय के लोग 'बा पर्व' और खड़िया जनजाति 'जंकौर पर्व' के नाम से इसे मनाती है। सरहुल उरांव सरना समाज के लोगों का अपना बड़ा और पवित्र त्योहार है। यह प्रकृति की आराधना का पर्व है। इस त्योहार को पूरे विधि विधान, नियम और पवित्रता के साथ मनाया जाता है। सरहुल से एक दिन पहले उपवास और जल रखाई की रस्म होती है। सरना स्थल पर पारम्परिक रुप से पूजा की जाती है। खास बात यह है कि इस पर्व में मुख्य रूप से साल के पेड़ की पूजा होती है। सरहुल वसंत के मौसम में मनाया जाता है, इसलिए साल की शाखाएं नए फूल से सुसज्जित होती हैं। इन नए फूलों से देवताओं की पूजा की जाती है। पहान, पुजार और पनभरा उपवास करके सरहुल के एक दिन पहले गांव के लोगों के साथ मिलकर सुबह ही बांस की टोकरी, मिट्टी से बना तावा और तेल सिंदूर लेकर सरना डाड़ी (दोन में बने बावड़ी) के पास जाते हैं। वहां डाड़ी की सफाई की जाती हैं। इसके बाद उसमें साफ पानी भरा जाता है। इसके बाद पहान, पुजार और पनभरा बारी-बारी से नहाते हैं। स्नान के बाद वह डाड़ी में तेल-टिक्का और सिंदूर चढ़ाते हैं। इसके बाद सभी लौटकर पहान के घर जाते हैं और खुशियां मनाते हैं। एक तरह से कहा जाए कि वह सरहुल का स्वागत करते हैं।

सरहुल का शाब्दिक अर्थ है 'साल वृक्ष की पूजा', सरहुल त्योहार धरती माता को समर्पित है - इस त्योहार के दौरान प्रकृति की पूजा की जाती है।

सरहुल पर्व को झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बंगाल और मध्य भारत के विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है. सरहुल की शुरूआत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होती है। यह वह समय होता है जब महुआ के फूल, पलाश के फूल, सरई के फूल आदि वसंत ऋतु के दौरान लहलहाने लगते हैं। इसी खूबसूरत पल का जश्न मनाने के दौरान आदिवासियों का सरहुल पर्व इसमें चार चांद लगाता है। सरहुल को आदिवासी भाषाओं में विभिन्न नामों से जाना जाता है जैसे - उरांव में खद्दी, मुंडा में बा, हो में मागे, खड़िया में जंकोर और संतालों में बाहा आदि से जाना जाता है। इस त्यौहार को मनाने वाले आदिवासी अपने-अपने क्षेत्रों में अलग-अलग तिथि को मनाते हैं। सरहुल मनाने के तरीकों में जगह-जगह पर थोड़ा बहुत बदलाव भी देखा जाता है। हांलाकि सभी जगह पूजा का महत्व एक होता है, जो कि प्राकृतिक महत्व से जुड़ा है।

सरहुल पूजा के एक दिन पहले रात में गांव के पाहन (मुख्य पुजारी) और प्रमुख लोगों द्वारा एक डोभा से पानी छीट कर यानि पानी को निकाल कर खाली किया जाता है। इसके बाद डोभा में जो नया पानी संग्रह होता है, उसे मिट्टी के नए घड़े और एक लोटे में भरा जाता है। डोभा में नए पानी के संग्रह होने से इस वर्ष बारिश के कम-ज्यादा या अच्छा-बुरा होने का अंदाजा लगाया जाता है। घड़े में भरे गए पानी को गांव पूज्य स्थल यानि सरना स्थल में रखा जाता है। इसके बाद गांव में अपने घरों में बने पारंपरिक पकवान और मदिरा का सेवन कर गाजे बाजे के साथ गीत गाकर नृत्य कर आनंद उठाते हैं। इस प्रथा के बाद अगली सुबह को पाहन सहित गांव के प्रमुख लोग अपने पवित्र सरना स्थल जाते हैं। पूजा अर्चना शुरू करने से पहले गांव के पाहन को उसी घड़े के पानी से नहलाया जाता है और नए कपड़े धोती गमछा पहनाया जाता है। सरना में जहां पूजा अर्चना किया जाता है, वहां सिंदूर और अरपन यानी चावल के आटे से पाहन पूजा करता है। इस दौरान सरई (साल) के पेड़ की पूजा की जाती है, जो मुख्य होता है। इसमें सरई का फूल और पत्ते का भी इस्तेमाल किया जाता है। सरई(साल का पेड़) के पूज्य पौधे को एक धागे से बांध कर पाहन उसके चारों तरफ फेरे लेता है। इस प्रक्रिया के समय पाहन को ग्रामीण कंधे पर उठा कर रखते हैं।

सरना में इन प्रथाओं को पूरा करने के दौरान एक दिलचस्प गतिविधि भी देखने को मिलती है, जो आदिवासियों के शिकार करने से संबंधित होती है। इस गतिविधि को भी सरहुल पर्व मनाने का एक भाग बताया गया है। दरअसल, सरना में एक काली कटोर यानि मुर्गी को खुला छोड़ दिया जाता है। जिसके बाद सब मिल कर पारंपरिक तीर धनुष से उसका शिकार करते हैं। शिकार करने के बाद उस कटोर को सरना में ही प्रसाद के तौर पर पकाया जाता है और पुरुषों में वितरण किया जाता है। सरना स्थल में मौजूद सभी लोगों को पाहन सरई के फूलों को कानों में लगाता है। इसके साथ ही पारंपरिक वाद्य यंत्रों को बजाकर, गीत गाकर नृत्य करते हैं और पूरे गांव में धूमते हैं। इस प्रसाद को ग्रहण करने के लिए महिलाओं पर प्रतिबंध होता है। वहीं इसके अलावा कई जगहों में महिलाओं को पूजा के दौरान सरना स्थलों में घुसने की अनुमति नहीं होती है। हालांकि वर्तमान में अब महिलाएं भी कई जगह इसमें शामिल होते देखी जा रही हैं। गांव में घूमने के साथ पाहन घर-घर में सरई फूल लगाता है। गांव के लोग पाहन का अपने घर में पैर धोकर स्वागत करते हैं और आशीर्वाद लेते हैं। इस बीच बच्चे, बूढ़े, जवान, महिला और पुरुष सभी नाचते गाते खुशियां मनाते नजर आते हैं। सरहुल को मुख्यतः झारखंड के रांची राजधानी में बड़े स्तर पर मनाया जाता है। वर्ष 1961 से हर साल झारखंड के रांची में झारखंड के सभी आदिवासियों के द्वारा इकट्ठा होकर सरहुल मनाने की परंपरा की शुरूआत हुई थी। इसका उद्देश्य रांची स्थित सिरम टोली के सरना स्थल (आदिवासियों का पूजा स्थल) को बचाना था। जानकारी के अनुसार साल 1961 में सरना स्थल को गांव के कुछ लोगों ने रामगढ़ के एक मोटर गैराज व्यापारी को बेच दिया था। ऐसे में सरना स्थल की जमीन को बचाने के लिए सिरम टोली के लोगों ने करम टोली के लोगों को संपर्क किया था। इस तरह से करीब सौ लोगों के साथ शोभायात्रा निकाली गई थी, इसके बाद हातमा सरना स्थल पर सरहुल पूजा की शुरूआत की गई। इसी बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री के बुलावे पर कार्तिक उरांव लंदन से लौटे थे। वे रांची स्थित एचईसी डिप्टी चीफ इंजीनियर के पद पर थे। उन्हें भी जुलुस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। करमटोली में सरहुल पूजा करने के बाद कार्तिक उरांव को बैलगाड़ी में बैठाकर जुलूस निकाला गया था। इसके बाद आदिवासी छात्रावास के छात्रों के द्वारा मांदर की थाप पर नाचते-गाते हुए करमटोली से सिरम टोली सरना स्थल तक पहुंची थी। साल 1964 से हातमा सरना स्थल स्थल पर पूजा की शुरूआत हुई और वहीं से शोभायात्रा निकाली जाने लगी। इसी के बाद से यह यात्रा विशाल होती गई।

– मिथिलेश ठाकुर

ओजोन के अत्याधुनिक फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर का हुआ उद्घाटन

नई दिल्ली। ओजोन ओवरसीज ने आर्क्टेक्चरल हार्डवेयर एंड सिक्योरिटी सोलूशन्स में अपने अत्याधुनिक फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन किया। दिल्ली में स्थित यह बहुमुखी केंद्र आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनरों और डिजाइन की दुनिया से जुड़े लोगों के लिए कम्युनिटी बिल्डिंग पूरी तरह तैयार है। अपने कुछ नवीनतम और टॉप-ऑफ-द-लाइन प्रोडक्ट्स को प्रदर्शित करते हुए ओजोन ओवरसीज ने फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर के लिए उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जिसमें भवन निर्माण व आंतरिक साज सज्जा से जुड़े लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सिग्नेचर ग्लोबल के उपाध्यक्ष ललित अग्रवाल ने किया। कई वर्षों के अनुभव के साथ वह उद्योग में एक परिवर्तनात्मक लीडर के रूप में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं। लॉन्च के लिए हाइलाइट किए गए कुछ प्रमुख प्रोडक्ट रेंज में स्टेल्थ सीरीज-स्लिम फ्रेम स्लाइडिंग और स्विंग डोर्स, शॉवर एनक्लोजर्स, ऑटोमेटिक टेलीस्कोपिक स्लाइडिंग डोर, क्यूब लाइन और एल्यूमीनियम एलईडी शेल्विंग सिस्टम, वुडन डोर हैंडल, ग्लास वार्डरोब और स्मार्ट लॉक्स और आधुनिक सेफ शामिल हैं। इस अवसर पर नए मास्टर कैटलॉग का भी अनावरण किया गया। इस नवीनतम संस्करण में 5,000 से अधिक प्रोडक्ट्स हैं और यह ओजोन की यात्रा को दर्शाता है।

ओजोन ओवरसीज के CEO & MD आलोक अग्रवाल ने फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर के शुभारंभ पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह नया फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर हमारे 2024 के विस्तार लक्ष्यों के अनुसार है। जिसमें ग्लास हार्डवेयर और विभिन्न अन्य श्रेणियों में प्रमुख रूप से हम अपने ग्राहकों को भिन्न-भिन्न समाधानों के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए इस तरह के प्लेटफार्मों को प्राथमिकता देते हैं। हम मजबूत साझेदारी को महत्व देते हुए व्यावसायिक सफलता व संसाधनों के साथ ग्राहकों को मजबूत बनाते हैं।

ओजोन अत्याधुनिक फ्लैगशिप एक्सपीरियंस सेंटर में आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स, फैब्रिकेटर्स व घर के मालिकों के लिए खुला है और उन्हें नई पेशकशों का पता लगाने, उत्पाद प्रदर्शन को कस्टमाइज करने और नवीनतम रुझानों के साथ अपडेट रहने की मदद करता है। इसे ब्रांड के विविध पोर्टफोलियो, नए प्रोडक्ट्स और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए संकल्पित और डिजाइन किया गया है। यह अनुभव केंद्र भारत और दुनिया भर में मार्केट लीडर की 25 साल पुरानी विरासत और मेक इन इंडिया के प्रति इसके मजबूत रुख पर भी प्रकाश डालता है। अद्वितीय विशेषज्ञता और एक मजबूत नेटवर्क के साथ ओजोन एक सुरक्षित दुनिया का निर्माण करने, जीवन स्थलों को समृद्ध करने और लंबे समय तक चलने वाली विरासत का निर्माण करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

Mahacol
SINCE 1971

NIKHIL
ADHESIVES LTD.

श्री राम नवमी

महाकोल परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं!

HARRISON

हरीसन सुविधा स्कीम

Mr. आनंद

HARRISON_KITCHEN_UTILITY

Find Us On :

@HARRISON_LOCKS

Find Us On :

कारपेंटर भाईयों को

राम नवमी एवं ईद की हार्दिक शुभकामनाएं

नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।

टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-

www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com

9355015105

हरीसन

www.harrisonlocks.com

विजेता! प्रतियोगिता का परिणाम

CREW Movie Contest Winners!

हरीसन कंपनी की प्रतियोगिता में विजेताओं को हार्दिक बधाई!

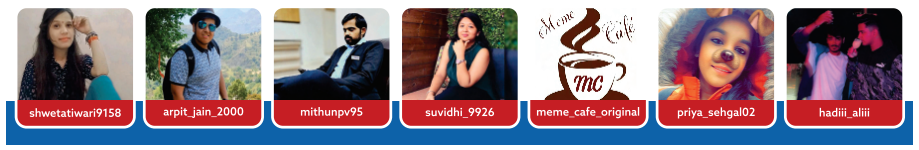

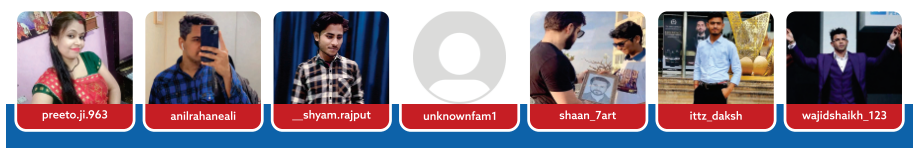

चेयरमैन क्लब कारपेंटर

"हरीसन कंपनी द्वारा चेयरमैन क्लब कारपेंटर सम्मान: अद्वितीय कार्य के लिए प्रोत्साहन"

हरीसन कंपनी द्वारा आयोजित "चेयरमैन क्लब कारपेंटर सम्मान" एक महत्वपूर्ण पहल है जो कारपेंटर्स को प्रोत्साहित करती है। यह सम्मान उन कारपेंटर्स को समर्पित किया जाता है जो अद्वितीय और अच्छे काम के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह प्रतियोगिता और पुरस्कार इस क्षेत्र में विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करते हैं और कारपेंटर्स को अपने कौशल और प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस सम्मान के माध्यम से, हरीसन कंपनी ने अपने कारपेंटर्स के साथ एक गहरा संबंध बनाया है और उन्हें सम्मानित किया है। यह उनकी मेहनत और योगदान को मान्यता देता है और उन्हें उत्साहित करता है कि वे अगले स्तर पर पहुंचें।

चेयरमैन क्लब कारपेंटर सम्मान एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म है जो कारपेंटर्स को उत्कृष्टता की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है, और हरीसन कंपनी के इस उत्साही पहल के माध्यम से यह संदेश भेजता है कि काम की प्रशंसा और प्रोत्साहन हमेशा मूल्यवान होता है।

बनो हरीसन का Mr. आनंद और रहो हमेशा आनंद में

जब फायदे से हो प्यार तो फिर क्यों इंतज़ार
आज ही जुड़ें हरीसन Suvidha के साथ और

पाये अनेको उपहार

उपहार जितने की प्रक्रिया

स्टेप 1: मोबाइल मे हरीसन सुविधा एप्लीकेशन डाउनलोड करे, और अपनी ID बनाकर लॉगिन करे।

स्टेप 2: प्रोडक्ट पैक के अंदर लगे QR CODE को सुविधा एप्लीकेशन मे स्कैन करे और MRP के बराबर पॉइंट इकट्ठा करे।

स्टेप 3: दिये गये 7 उपहार के आधार पर अपने पॉइंट REDEEM करे, और उपहार जीते

कारपेंटर मीट

हरीसन का Mr. आनंद मुख्य सेवा प्रदाता (Service Provider)

Mr. आनंद बनते ही पाएं अपने क्षेत्र के सारे कारपेंटर सम्बंधित कार्य सबसे पहले

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
+91 9355015108

Suvidha
iSoftCare Technology

प्ले स्टोर पर (HARRISON SUVIDHA APP) सर्च कर के हरीसन लोगो एप्लीकेशन अपने फ़ोन मे इनस्टॉल करे।

www.harrisonlocks.com | Find Us On :

Toll Free No. :1-800-572-5795

ADVT

Since 1986

Suzu®

An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

Animesh Bansal & Sachin Bansal
Directors

Mr. Sushil Bansal(Chairman)

Mr. Vijay Kumar Dutta
CEO

Suzu Steel India कम्पनी 1986 में रोहतक में स्थापित की गई थी। इसके संस्थापक श्री सुशील बंसल कम्पनी के (चैयरमेन) हैं, और इनके द्वारा भारत में पहली बार Stainless Steel Butt Hinges का अविष्कार किया गया। उस समय इसका कोई चलन नहीं था। और जब बाजार में इसे दिया गया तो काफी परेशानियां का सामना करना पड़ा। किन्तु गुणवत्ता और लम्बी उम्र के कारण यह Range काफी सफल रही। आज 90% Stainless Steel Butt Hinges का ही चलन है।

इस अविष्कार के बाद कम्पनी ने पीछे मुडकर नहीं देखा। Suzu Steel India Group Companies की Flagship कम्पनी है। इस 38 वर्षो में कम्पनी ने काफी तरक्की की और Entertainment, Stainless Steel Wire, AVT, Builders Segment में भी नाम कमाया।

Suzu Steel India अब Door Hardware और PTMT की सारी Range को Market मे दे रही है। आज कम्पनी के लगभग 150 Distributor और लगभग 600 Wholesaler हैं जो पूरे भारतवर्ष मे फैले हुऐ हैं।

आज Suzu की Door Hardware Range लगभग 15000 Dealers में उपलब्ध है।

Suzu अपनी गुणवत्ता और सेवा के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध है। कम्पनी का Regd. Office Rohtak (Haryana) और Corporate Office दिल्ली में है।

कम्पनी की वस्तुएँ गुणवत्ता के कारण आज दिन रात दुगनी तरक्की कर रही हैं। यह न केवल भारत में बल्कि कुछ विदेशों में भी Suzu की काफी Demand बड़ रही है। भारत सरकार की और से काफी प्रोत्साहन भी मिलता रहता है। ताकि निर्यात बढ़ सके।

कम्पनी के Director श्री अनिमेष बंसल और सचिन बंसल जी हैं। कम्पनी के CEO श्री विजय दत्ता हैं। और बहुत मेहनत से सारी टीम Network उपभोक्ता की सेवा में लगे रहते हैं।

सरकारी भवन निर्माता के यहाँ भी Suzu की काफी Demand है, और कम्पनी नए-नए Dealers बनाती रहती है ताकि बढ़ती Demand को पूरा किया जाए।

कम्पनी देश के हर छोटे बड़े शहरों के विटरर्क हैं। जिस विक्रेता की इच्छा हो संपर्क करे, ताकि कम्पनी का प्रतिनिधि आप से मिल सके।

कम्पनी का भविष्य उज्जवल है और श्री सुशील बंसल जी के मार्गदर्शन से दिन रात तरक्की हो रही है।

SOME PICTURES OF ANNUAL SALES MEETING - (13 APRIL 2024)

www.suzusteel.com | www.suzu.in | Find us on : Facebook Twitter Google Play App Store

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | | CE Certified
37 Growing Years

ANNUAL SALES MEETING

As the curtains close on our Annual Sales Meeting, we reflect on the remarkable journey we've embarked upon together. With hearts full of determination and minds brimming with new insights, we bid farewell to this transformative event.

www.suzusteel.com | www.suzu.in | Find us on : Facebook Twitter Google Play App Store

चु|ना|वी|मै|दा|न|से

काष्ठ नगरी में हर दिल पर नक्काशी कर गए मोदी

सहारनपुर। काष्ठ नगरी के नाम से प्रसिद्ध सहारनपुर की धरती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर वर्ग के दिलों पर नक्काशी कर गए। 37 मिनट के संबोधन में उन्होंने तीन तलाक से मुस्लिमों को साधा तो वहीं वोकल फॉर लोकल का नारा देकर काष्ठ हस्तशिल्प कला से जुड़े उद्यमियों और कारीगरों को भी लुभाने का प्रयास किया।

राधा स्वामी सत्संग मैदान में मोदी ने अपने शब्दों से हर वर्ग को भावनात्मक रूप से जोड़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने भीड़ को उस समय एकदम शांत कर दिया, जब उन्होंने कहा कि सहारनपुर में मेरा एक निजी काम है, आप लोग कर पाओगे। जिसमें हमारे प्रत्याशी राघव लखनपाल और कैराना से प्रत्याशी प्रदीप चौधरी का मतलब नहीं है। चुनाव का भी उससे लेना-देना नहीं है। उस समय भीड़ भी अवाक रह गई कि आखिर सहारनपुर में प्रधानमंत्री को क्या काम हो सकता है। सभी ने एक स्वर में हामी भरी। तब मोदी ने बड़े सहज भाव से कहा कि यहां से जाकर आपको अपने आस पड़ोस के घरों में जाना है। वहां पर जो भी व्यक्ति मिले उसे नरेंद्र मोदी का प्रणाम कहना। मोदी के इस सादगी भरे अंदाज से पंडाल नारों से गूंज उठा।

लकड़ी पर नक्काशी के हुनर, फलों के कारोबार और होजरी के व्यापार के लिए प्रसिद्ध सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र में 18.51 लाख मतदाता हैं, जिनमें छह लाख मुस्लिम, तीन लाख दलित, 1.5 लाख गुर्जर, लगभग 3.6 लाख अगड़ी जातियों और शेष अन्य जातियों के वोटर शामिल हैं। सहारनपुर के प्रसिद्ध लकड़ी उद्योग से जुड़े उद्यमी दो धड़ों में बंटे दिख रहे हैं। सहारनपुर वुड कार्विंग एसोसिएशन के महासचिव मो. आसिफ को शिकायत है कि निर्यातकों को निर्यात करने पर पहले पांच से छह प्रतिशत तक प्रोत्साहन मिलता था, जिसे सरकार ने अब एक प्रतिशत कर दिया है। जीएसटी रिफंड मुश्किल से होता है। सरकार की नेकनीयती के बावजूद निचले स्तर पर उद्यमियों को कठिनाई हो रही है। जबकि इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रामजी सुनेजा ने उद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार की प्रशंसा कर रहे हैं।

विश्वकर्मा समिति में भजन संध्या

मुंबई। चैत्र नवरात्र के अवसर पर विश्वकर्मा समिति मुंबई संस्था की ओर से भजन संध्या का आयोजन किया गया। कदमवाड़ी स्थित विश्वकर्मा समिति के प्रांगण में निर्मित श्री विश्वकर्मा मंदिर पसिसर में आयोजित भजन संध्या में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। संस्था के संस्थापक सदस्य लल्लूराम विश्वकर्मा ने बताया कि प्रत्येक महीने के आमवस्या के दिन भजन का कार्यक्रम होता है, लेकिन इस बार चैत्र नवरात्र के आगमन पर कार्यक्रम को लेकर विशेष तैयारी की गई थी। भजन संध्या उपरांत महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र चित्तबहाल विश्वकर्मा, चेयरमैन सुनील राणा, महामंत्री जे. पी. शर्मा, रामनरेश विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, अवधेश विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, प्रेमचंद विश्वकर्मा,लालचंद विश्वकर्मा, चंद्रकेश विश्वकर्मा, शोभनाथ विश्वकर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग उपस्थित रहे।

उत्तराखंड से चोरी हुई लकड़ी पकड़ी गई

बरेली। उत्तराखंड से चोरी कर लाई जा रही खैर की लकड़ी को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया। इस दौरान मौके का फायदा उठाकर पिकअप के ड्राइवर और क्लीनर फरार हो गए।

वन विभाग की टीम ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि बहेड़ी थाना क्षेत्र के रेलवे फाटक के पास उत्तराखंड से चोरी कर खैर की लकड़ी लाई जा रही है। वन विभाग की टीम ने थाना पुलिस टीम के साथ घेराबंदी कर मौके पर ही पिकअप में सवार चालक और क्लीनर को पकड़ने का प्रयास किया। घेराबंदी देख चालक हड़बड़ा गया और पिकअप अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। जब तक टीम गाड़ी के पास पहुंची तब तक दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

एशिया के सबसे घने साल के जंगल में होगा मतदान

रांची। झारखंड के सिंहभूम लोकसभा सीट के नक्सल प्रभावित कई अंदरूनी इलाकों में पहली बार मतदान होगा। इनमें एशिया के सबसे घने साल के जंगल वाला सारंडा क्षेत्र भी है, जहां 13 मई को वोट पड़ेंगे। सारंडा में रहने वाले लोगों के मताधिकार के लिए मतदान दल और सामग्री हेलीकॉप्टर से हवाई मार्ग से उतारी जाएगी। पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप चौधरी ने बताया कि यहां 118 बूथ स्थापित किए जाएंगे। मिडिल स्कूल, निगडी और मध्य विद्यालय, बोरेरो जैसे मतदान केंद्रों पर पहली बार मतदान होगा। सुधार के बावजूद पश्चिमी सिंहभूम अभी भी उग्रवाद प्रभावित जिलों में से एक बना हुआ है। पिछले वर्ष इस क्षेत्र में 46 माओवादी घटनाएं हुईं, जिनमें 22 मौतें हुईं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट पर 14.32 लाख मतदाता हैं। कांग्रेस की मौजूदा सांसद गीता कोड़ा इस बार भाजपा के टिकट पर मैदान में हैं।

दुनिया को 2050 तक अधिक भोजन की जरूरत - डॉ. एन. कलैसेल्वी

मुंबई। केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान की ओर से छात्रों को डिग्री प्रदान करने के लिए 17 वां दीक्षांत समारोह का आयोजन अंधेरी (पश्चिम) स्थित यारी रोड स्थित केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के प्रांगण में किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. एन. कलैसेल्वी महानिदेशक वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद एवं सचिव विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग ने कहा कि दुनिया को 2050 तक अधिक भोजन की आवश्यकता है, इसलिए मत्स्य पालन अनुसंधान और शिक्षा महत्वपूर्ण होगी।

केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में दीक्षांत समारोह

मछली पालन का विस्तार, उत्पादकता बढ़ाने, विपणन में सुधार और फसल के बाद के नुकसान को कम करके जलीय भोजन के उत्पादन और खपत को बढ़ाने के लिए नवीन अनुसंधान और विस्तार कार्यक्रमों की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए उन्होंने भारत में 28 मिलियन लोगों को रोजगार देने वाले एक संपन्न और तेजी से उभरते क्षेत्र के मजबूती प्रदान करने में व्यावसायिक मात्स्यिकी शिक्षा की भूमिका की सराहना की।

उन्होंने कहा कि 2022 में 16.24 मिलियन टन मछली के कुल उत्पादन में जलीय कृषि का बढ़ता योगदान इस क्षेत्र में बढ़ती उद्यमशीलता गतिविधि को दर्शाता है। इससे पता चलता है कि प्रभावी प्रौद्योगिकियों को विकसित और लागू किया जा रहा है और भारत दुनिया में मछली का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है। यह क्षेत्र भारत की जीडीपी में लगभग 1.2% का योगदान देता है और निर्यात आय 2023 के दौरान रु. 64,000 करोड़ तक पहुंच गई है। पिछले पांच वर्षों में भारत सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना ने 22 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों के 31.89 लाख मछुआरों और किसानों को बीमा कवरेज दिया है और अतिरिक्त 6.77 लाख मछुआरों को लीन/बैन अवधि के दौरान आजीविका और पोषण संबंधी सहायता के लिए कवर किया है। यह योजना नवाचारों और आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने, मछली की सुरक्षा और गुणवत्ता में सुधार, कोल्ड चेन, फसल के बाद के बुनियादी ढांचे के विकास, आधुनिक मूल्य श्रृंखला और ट्रेसेब्लिटी, मत्स्य पालन प्रबंधन के वैज्ञानिक ढांचे और मछुआरों के कल्याण के माध्यम से फलीभूत हुई है। भारत को दुनिया में गुणवत्तापूर्ण मछली का अग्रणी उत्पादक और उपभोक्ता बनाने की इस परिवर्तनकारी यात्रा में मात्स्यिकी शिक्षा और व्यवसाय की भूमिका महत्वपूर्ण है।

डॉ. कलैसेल्वी ने अंतर्देशीय लवणीय जलीय कृषि के लिए ऊर्जा - कुशल और पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में आईसीएआर-सीआईएफई के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की। इस अवसर पर डॉ. आर. सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक (शिक्षा), डॉ. जॉय कृष्ण जेना, उप महानिदेशक मात्स्यिकी विज्ञान बतौर अतिथि उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह में 90 मास्टर और 32 पीएचडी. छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम व्यवस्थापन के वक्ताओं ने केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक व अधिष्ठाता डॉ. स्वदेश प्रकाश तिवारी की प्रशंसा की। केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान देश में मात्स्यिकी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र है। इसे दुनिया का एकमात्र विश्वविद्यालय होने की भी गौरव प्राप्त है, जो मत्स्य पालन के 11 अत्यधिक विशिष्ट विषयों में मास्टर और डॉक्टरेट छात्रों को तैयार करता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

रामनवमी विशेष : राम पिता की जन्म कहानी

चैत्रशुक्ल नवमी को भगवान राम के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। भगवान राम के जन्म के बारे में सभी जानते हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को यह पता होगा कि भगवान राम के महाराज दशरथ का जन्म कैसे हुआ था? इस बार रामनवमी पर पढिये राम कथा के दो महत्वपूर्ण अंश–

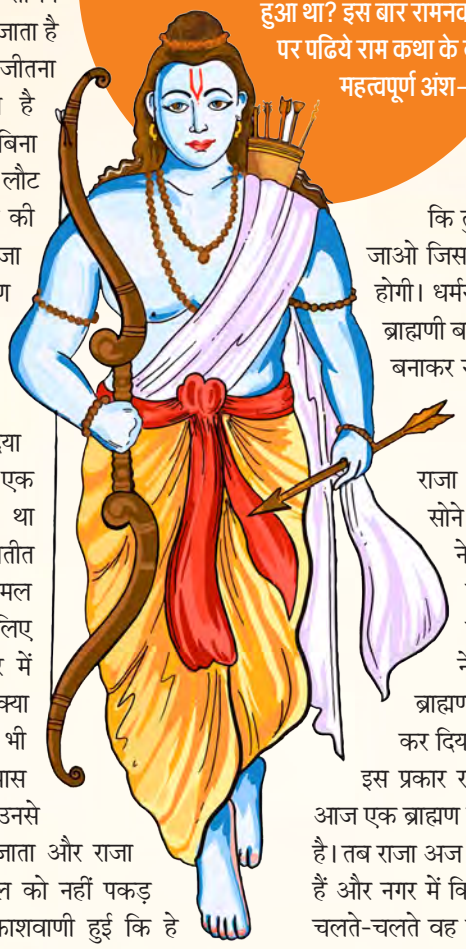

दशरथ वाल्मीकि रामायण के अनुसार अयोध्या के रघुवंशी (सूर्यवंशी) राजा थे। वे राजा अज व इन्वदुमती के पुत्र थे तथा इक्ष्वाकु कुल में जन्मे थे। वे विष्णु के अवतार प्रभु श्री राम के पिता बने। राजा दशरथ के चरित्र में आदर्श महाराजा, पुत्रों को प्रेम करने वाले पिता और अपने वचनों के प्रति पूर्ण समर्पित व्यक्ति दशार्या गया है। उनकी तीन पत्नियाँ थीं - कौशल्या, सुमित्रा तथा कैकेयी। अंगदेश के राजा रोमपाद या चित्ररथ की दत्तक पुत्री शान्ता महर्षि ऋष्यश्रृंग की पत्नी थीं। एक प्रसंग के अनुसार शान्ता दशरथ की पुत्री थी तथा रोमपाद को गोद दी गयीं थीं।

महाराज दशरथ का जन्म बहुत ही एक अद्भुत घटना है। पौराणिक धर्म ग्रंथों के आधार पर बताया जाता है कि एक बार राजा अज दोपहर की वंदना कर रहे थे। उस समय लंकापति रावण उनसे युद्ध करने के लिए आया और दूर से उनकी वंदना करना देख रहा था। राजा अज ने भगवान शिव की वंदना की और जल आगे अर्पित करने की जगह पीछे फेंक दिया। यह देखकर रावण को बड़ा आश्चर्य हुआ और वह राजा अज के सामने पहुंचा तथा पूछने लगा कि हमेशा वंदना करने के पश्चात जल का अभिषेक आगे किया जाता है,ना कि पीछे, इसके पीछे क्या कारण है। राजा अज ने कहा जब मैं आंखें बंद करके ध्यान मुद्रा में भगवान शिव की अर्चना कर रहा था। तभी मुझे यहां से एक योजन दूर जंगल में एक गाय घास चरती हुई दिखी और मैंने देखा कि एक सिंह उस पर आक्रमण करने वाला है तभी मैंने जल का अभिषेक पीछे की तरफ किया और मेरे जल ने तीर का रूप धारण कर लिया जिससे उस सिंह की मृत्यु हुई।

रावण को यह बात सुनकर बड़ा ही आश्चर्य हुआ किंतु राजा अज ने कहा तुम यहां से पीछे एक योजन दूर जाकर यह दृश्य देख सकते हो। रावण वहाँ गया और उसने देखा कि एक गाय हरी घास चर रही है जबकि शेर के पेट में कई वाण लगे हैं अब रावण को विश्वास हो गया कि जिस महापुरुष के जल से ही बाण बन जाते हैं और बिना किसी लक्ष्य साधन के लक्ष्य बेधन हो जाता है ऐसे वीर पुरुष को जीतना बड़ा ही असंभव है और वह उनसे बिना युद्ध किए ही लंका लौट जाता है। एक बार की बात है जब राजा अज जंगल में भ्रमण करने के लिए गए थे तो उन्हें एक बहुत ही सुंदर सरोवर दिखाई दिया उस सरोवर में एक कमल का फूल था जो अति सुंदर प्रतीत हो रहा था। उस कमल को प्राप्त करने के लिए राजा अज सरोवर में कूद गए किंतु यह क्या राजा अज कितना भी उस कमल के पास जाते वह कमल उनसे उतना ही दूर हो जाता और राजा अज ने उस कमल को नहीं पकड़ पाये। अंततः आकाशवाणी हुई कि हे राजन आप निःसंतान हैं आप इस कमल के योग्य नहीं है इस भविष्यवाणी ने राजा अज के हृदय में एक भयंकर घात किया था। राजा अज अपने महल में लौट आए और चिंता ग्रस्त रहने लगे क्योंकि उन्हें संतान नहीं थी जबकि वह भगवान शिव के परम भक्त थे। भगवान शिव उनकी इस चिंता से व्याकुल हो उठे और उन्होंने धर्मराज को बुलाकर कहा कि तुम ब्राह्मण के भेष में अयोध्या नगरी जाओ जिससे राजा अज को संतान की प्राप्ति होगी। धर्मराज और उनकी पत्नी ब्राह्मण और ब्राह्मणी बनकर में सरयू नदी के किनारे कुटिया बनाकर रहने लगे। एक दिन धर्मराज ब्राह्मण के भेष में ही राजा अज के दरबार में गए और उनसे भिक्षा मांगने लगे। राजा अज ने अपने खजाने में से उन्हें सोने की मुद्राएं देनी चाही लेकिन ब्राह्मण ने नहीं कहते हुए मना कर दिया कि यह प्रजा का है आप अपने पास जो है उसे दीजिए। तब राजा अज ने अपने गले का हार उतारा और ब्राह्मण को देने लगे किंतु ब्राह्मण ने मना कर दिया कि यह भी प्रजा की ही संपत्ति है। इस प्रकार राजा अज को बड़ा दुख हुआ कि आज एक ब्राह्मण उनके दरबार से खाली हाथ जा रहा है। तब राजा अज शाम को एक मजदूर का वेश बनाते हैं और नगर में किसी काम के लिए निकल जाते हैं। चलते-चलते वह एक लोहार के यहाँ पहुंचते हैं और अपना परिचय बिना बताए ही वहां काम करने लग जाते हैं। पूरी रात को हथौड़े से लोहे का काम करते हैं जिसके बदले में उन्हें सुबह एक टका मिलता है। राजा एक टका लेकर ब्राह्मण के घर पहुंचते हैं लेकिन वहां ब्राह्मण नहीं था। उन्होंने वह एक टका ब्राह्मण की पत्नी को दे दिया और कहा कि इसे ब्राह्मण को दे देना। जब ब्राह्मण आया तो ब्राह्मण की पत्नी ने वह टका ब्राह्मण को दिया और ब्राह्मण ने उस टका को जमीन पर फेंक दिया। तभी एक आश्चर्यजनक घटना हुई। ब्राह्मण ने जहां टका फेंका था वहां गड्ढा हो गया। ब्राह्मण ने उस गड्ढे को और खोदा तो उसमें से सोने का एक रथ निकला तथा आसमान में चला गया। इसके पश्चात ब्राह्मण ने और खोदा तो दूसरा सोने का रथ निकला और आसमान की तरफ चला गया। इसी प्रकार से, नौ सोने के रथ निकले और आसमान की तरफ चले गए। जब दसवाँ रथ निकला तो उस पर एक बालक था और वह रथ जमीन पर आकर ठहर गया। ब्राह्मण उस बालक को लेकर राजा अज के दरबार में पहुंचे और कहा राजन! इस पुत्र को स्वीकार कीजिए यह आपका ही पुत्र है जो एक टका से उत्पन्न हुआ है तथा इसके साथ में सोने के नौ रथ निकले जो आसमान में चले गए जबकि यह बालक दसवें रथ पर निकला इसलिए यह रथ तथा पुत्र आपका है। इस प्रकार से दशरथ जी का जन्म हुआ था। इस तरह यह कहा जा सकता है कि महाराज दशरथ भी सीता की तरह अयोनिज थे। वैसे यह भी सर्वविदित है कि महाराज दशरथ पूर्वजन्म में मनु थे और उनकी पत्नी का नाम शतरूपा था। उन्होंने भगवान विष्णु को अपने पुत्र के रूप में प्राप्त करने का वरदान माँगा था। त्रेतायुग में यही मनु-शतरूपा दशरथ और कौशल्या बनकर आये जिनके पुत्र के रूप में भगवान विष्णु राम बनकर प्रगट हुए थे।

माँ की तरह ही जिद्दी थी कैकेयी

श्री राम कथा में श्रीराम के एवं भरत के चरित्र की मार्मिक कथाएँ पत्थर को भी पिघलाने वाली हैं। श्रीराम के वनगमन हो जाने तथा महाराज दशरथ के परलोक गमन के पश्चात् भरत और शत्रुघ्न के ननिहाल से लौटने के उपरान्त ही भरत के चरित्र की विशेषताओं की झलक मानस में यत्र-तत्र-सर्वत्र अपनी अमिट छाप छोड़ती चली जाती है। भरत श्रीराम को महल में न देखकर अत्यन्त ही दुःखी हो जाते हैं। माता कैकेयी भरत को प्रसन्न करने के लिये सारी कथा सुना देती हैं। तब भरत दुखी होकर उनसे कहते हैं–

बर माँगत मन भइ न पीरा।
गरि न जीह मुँह परेउ न कीरा।।
अर्थात अरी बैरन महाराज दशरथ से दो वर माँगते हुए तुझे पीड़ा नहीं हुई। प्रथम वर में राज्य माँगते हुए तेरी जिव्हा गल क्यों नहीं गई तथा दूसरे वर में श्री राम को वनवास माँगते हुए तेरे मुँह में कीड़े क्यों नहीं पड़ गये। भरत ने मात्र इतना ही नहीं उससे भी अधिक माता कैकेयी को जो कुछ कहा, वह श्रीरामचरित मानस में गूढ़ गम्भीर-चिन्तन-मनन करने का विषय है–

हंस बंसु दशरथु जनकु, राम लखन से भाइ।
जननी तू जननी भई, बिधि सन कछु न बसाइ।।

भरत माता कैकेयी से कहते हैं मुझे सूर्यवंशी, दशरथ जैसे पिता और श्रीराम-लक्ष्मण जैसे भाई मिले, किन्तु हे जननी। मुझे जन्म देने वाली माता तू हुई। क्या किया जाय विधाता के आगे किसी का कुछ भी वश नहीं चलता है। इस दोहे को वाल्मीकि रामायण के अयोध्याकाण्ड में सर्ग 35 के संदर्भ में देखा जाए, तो ऐसा भी संकेत एवं भावार्थ हो सकता है। भरत अपनी माता कैकेयी से कहते हैं कि हे माँ तू अपनी माता (नानी) के समान हो गई तथा जैसी तेरी माता माता न होकर कुमाता थी, तू ऐसी ही हो गई। इस कुमाता के प्रसंग को वाल्मीकि रामायण में श्री राम के वनगमन के प्रसंग में मंत्री सुमंत्र एवं कैकेयी के बीच एक अन्तर्कथा के माध्यम से वर्णित किया गया है।

ऐसी कथा आती है कैकयी के पिता अश्वपति को एक महात्मा से वरदान मिला था जिसके प्रभाव से वह पृथ्वी पर जितने भी जीव-जन्तु, कीड़े-मकोड़े, पशु- पक्षी सभी की आवाज सुन और समझ सकते थे। लेकिन इस वरदान के साथ एक श्राप भी था कि वह इन सब की बातें किसी को भी बताएंगे, तो उनकी उसी वक्त मृत्यु हो जाएगी। एक बार कैकेय नरेश कैकेयी की माँ पृथ्वी के साथ चौके में बैठकर भोजन कर रहे थे। एक चींटी चावल का एक दाना लेकर जा रही थी चौके के बाहर दूसरी चींटी ने विनम्रतापूर्वक कहा- ये दाना मुझे दे दो, वो बोली-तुम अंदर जाकर ले आओ, उसने कहा कि मैं गंदगी से गुजरकर आई हूं, अतः अपवित्र हूं, चौके में नहीं जा सकती। पहली चींटी ने सहृदता का परिचय देकर दाना उसे सौंप दिया और फिर

दूसरा दाना लेने चौके में लौट आई। यह संवाद सुनकर कैकय नरेश ने अनुभव किया कि मेरे राज्य की चींटियां भी पवित्रता-अपवित्रता का कितना ख्याल करती है। वे एकाएक हंसने लगे। महारानी पृथ्वी ने उनकी प्रसन्नता का कारण जानना चाहा, महाराज ने कहा, मैं अगर बताऊंगा तो मेरी मृत्यु हो जाएगी, लेकिन कैकेयी की माँ को कुछ संदेह था और वो हठ करने लगी। जिद्द पर अड़ गईं, मुझे बताइए। बार-बार राजा के समझाने पर भी रानी पृथ्वी ने हठ नही छोड़ी, यहाँ तक कह दिया तुम जियो या मरो, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। किन्तु मुझे ये चींटियां क्या बोल रही थीं वो बताओ। तुरन्त राजा उन महात्मा के पास गए और सारी कहानी महात्मा को बताई कि कैसे रानी कोप भवन में जिद्द पर अड़ी बैठी हैं। महाराज कोई उपाय बताइए, महात्मा ने पुनः दोहराया राजन वचन बदला नहीं जा सकता। यह सत्य है अगर आपने किसी को कुछ भी बताया, तो उसी वक्त आपकी मृत्यु हो जाएगी। अब निर्णय आपको लेना है। बहुत सोच विचार कर राजा ने रानी का परित्याग कर राज्य से बाहर कर दिया। वे जान गए थे मेरी पत्नी को मेरे जीवन, मेरी भलाई की कोई चिंता नहीं है। इसी बात को भरत जी कहते हैं, तुम्हारे पिता तो सही समय पर उचित निर्णय लेकर बच गए, किन्तु मेरे पिता महाराज दशरथ तो बड़े सीधे और भोले हैं। तेरी कुटिलता को समझ नहीं पाए, तेरे पिता की तरह अगर निर्णय ले लेते तो उनके भी प्राण बच जाते। जननी तू जननी भई। पुराणों के अनुसार राजा दशरथ पूर्व जन्म में स्वायम्भु मनु थे। जबकि माता कौशल्या पूर्व जन्म में स्वायम्भु मनु की पत्नी शतरूपा थी। दोनों ने भगवान विष्णु को पुत्र रूप में पाने के लिए घोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु प्रकट होकर जब वरदान मांगने के लिए कहा तो स्वयंभू मनु और शतरूपा ने भगवान से वरदान स्वरूप भगवान विष्णु को पुत्र रूप में पाने की इच्छा जताई। भगवान विष्णु ने उन्हें वरदान देते हुए कहा कि त्रेतायुग में आप दोनों अयोध्या के महाराजा और महारानी बनेंगे। आप दोनों के पुत्र के रूप में रामचंद्र मेरा सातवां अवतार होगा। इसी वरदान को पूरा करने के लिए भगवान राम दशरथ और कौशल्या के पुत्र के रूप में जन्म लिए। राजा दशरथ ही कृष्ण अवतार के समय वासुदेव और कौशल्या देवकी बने थे। कैकेयी ने राम से कहा था कि तुम मेरे मैं तुम्हें अगले जन्म में पुत्र रूप में प्राप्त करूं, इसलिए कैकेयी यशोदा बनीं और उन्हें भी कृष्ण की माता बनने का सौभाग्य मिला।

ड्यूरोप्लाई की बियान्ड ब्लूप्रिंट्स पहल

मुंबई। प्लाईवुड निर्माता ड्यूरोप्लाई ने अपनी नई पहल 'बियान्ड ब्लूप्रिंट्स' पॉडकास्ट सीरीज लॉन्च की है। इस पॉडकास्ट सीरीज में इंटीरियर डिजाइनर्स और आर्किटेक्ट्स बताएंगे कि उन्हें यह प्रोफेशन अपनाने की प्रेरणा कहां से मिली और किन घटकों की मदद से उन्होंने अपनी डिजाइन फिलॉसफी को लगातार बेहतर बनाया है।

ड्यूरोप्लाई के सीईओ अखिलेश चितलांगिया ने कहा कि हमारा मानना है कि आज हर कोई व्यक्तिगत स्टाइल और अपनी पसंद के अनुरूप अपने घर को बेहतर तरीके से डिजाइन करना चाहता है। वियॉन्ड ब्लूप्रिंट्स के साथ हमारा लक्ष्य लोंगों को वह ज्ञान और प्रेरणा देना है, जिससे वह घर को दिखने में खूबसूरत बना सके और किसी खास मकसद से बनाए गए घर के किसी क्षेत्र को अपनी पसंद के आकार में ढाल सके।

स्टॉकहोम वुड सिटी बनेगा लकड़ी का शहर

मुंबई। स्वीडन ने घोषणा किया है कि वह दुनिया का सबसे बड़ा लकड़ी का शहर बनाएगा। मीडिया

खबरों के मुताबिक स्वीडन सिक्ला में स्टॉकहोम वुड सिटी का निर्माण करेगा। इस शहर को पूरी तरह से लकड़ी का शहर बनाने के पीछे डेनिश स्टूडियो हेनिंग लार्सन और स्वीडिश फर्म व्हाइट आर्किटेक्ट का दिमाग बताया जा रहा है। यह शहर 250,000 वर्ग किलोमीटर में फैला होगा। रियल एस्टेट डेवलपर एट्रियम लजंगबर्ग ने मीडिया को बताया कि ये दुनिया का सबसे बड़ा लकड़ी का शहर होगा। इस अनोखे शहर को बनाने का काम साल 2025 में शुरू किया जाएगा। कहा जा रहा है कि 2025 में इसका काम शुरू होगा और 2027 तक इसे बना भी लिया जाएगा। इस शहर में मिलने वाली सुविधाओं की बात करें तो इसमें 7000 नए कार्यालय और 2000 नई हाउसिंग यूनिट बनाई जाएंगी। इसके साथ ही इस शहर में कई स्टोर और रेस्टोरेंट भी खोले जाएंगे। इसे 25 ब्लॉकों में डिवेलप किया जाएगा। इस अनोखे शहर को बनाने में लगभग 12 बिलियन डॉलर यानी 11,486 करोड़ रुपये की लागत आएगी। स्टॉकहोम वुड सिटी बनने के बाद ये दुनिया का सबसे बड़ा लकड़ी का शहर होगा।

आमची मुंबई में Zubaan Ke पक्के ReWards

ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि. के लोकप्रिय ब्रांड यूरो 7000 एडहेसिव को भारतीय फर्नीचर इंडस्ट्रीज में श्रेष्ठ गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान में सफलता के बाद, अब यूरो 7000 अपना कारपेंटर लॉयल्टी प्रोग्राम - "**जुबान के पक्के रिवॉर्ड**" महाराष्ट्र में लॉन्च कर रहा है। सालों से, ब्रांड कारपेंटर्स और कॉन्ट्रैक्टर्स के बीच एक पक्का जोड़ बना रहा है और आगे जाकर ये लॉयल्टी प्रोग्राम, यूरो 7000 का नाम पूरे महाराष्ट्र में भी प्रसिद्ध करेगा। अब आपकी विशेष एडहेसिव रेंज और कारपेंटर समुदाय के विश्वास के साथ, यूरो 7000 पूरे भारतवर्ष का भरोसा जीत रहा है।

70 POINTS IN ONE DRUM

Cutter Machine

OR

Drill Machine

OR

₹15/-
Token/Pouch

+

1 American Tourister Duffle Bag

140 POINTS IN ONE DRUM

Cutter Machine

OR

Drill Machine

OR

₹25/-
Token/Pouch

+

2 American Tourister Duffle Bags

Cutter Machine + 1 POINT/POUCH

OR

Drill Machine + 1 POINT/POUCH

OR

₹15/-
TOKEN/POUCH + 1 POINT

SCAN KIJIYE

GET IT ON Google Play

Cutter Machine + 2 POINTS/POUCH

OR

Drill Machine + 2 POINTS/POUCH

OR

₹25/-
TOKEN/POUCH + 2 POINTS

Available on the App Store

OZONE
OZO STARS 2.0
एक पहल, अपनों के साथ!
लॉयल्टी प्रोग्राम
अब नये अवतार में।
बेहतर प्रोग्राम, बड़े रिवाईस
BHIM UPI
बल्क स्कैनिंग
ऑटो KYC
यू पी आई
बेहतर ऐप अनुभव
आकर्षित इनामों के लिए आज ही ओजोस्टार्स ऐप को अपडेट करें।
*नियम व शर्तें लागू
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
18002020204
Android
iOS
ओजोस्टार्स 2.0 ऐप डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें